ISSN Print: 2394-7500
ISSN Online: 2394-5869
Impact Factor: 5.2
IJAR 2016; 2(8): 834-837
www.allresearchjournal.com
Received: 17-07-2016
Accepted: 18-08-2016

Dr Mohammad Israr Khan
Assistant professor, Department of Applied and Regional Economics, Mahatma Jyotiba Phule Rohilkhand University, Bareilly, Uttar Pradesh, India

Sonam Maurya
Research Scholar, Department of Applied and Regional Economics, Mahatma Jyotiba Phule Rohilkhand University, Bareilly, Uttar Pradesh, India

Correspondence
Dr Mohammad Israr Khan
Assistant professor, Department of Applied and Regional Economics, Mahatma Jyotiba Phule Rohilkhand University, Bareilly, Uttar Pradesh, India

मध्यान्ह भोजन व्यवस्था का बच्चों की शिक्षा व स्वास्थ्य पर प्रभाव (विकास खण्ड बहेड़ी जनपद बरेली के विशेष संदर्भ में)

Dr Mohammad Israr Khan and Sonam Maurya

सारांश
वर्तमान शोधपत्र में मध्यान्ह भोजन व्यवस्था का प्राथमिक और द्वितीयक आंकड़ों के आधार पर अध्ययन किया है। देखा गया है कि मध्यान्ह भोजन व्यवस्था से बच्चों के दाखिले और हाजिरी में तो उल्लेखनीय वृद्वि हुई है किन्तु उच्च प्राथमिक स्तर पर छात्र छात्राओं के अधिगम स्तर में सन्तोषजनक परिणाम प्राप्त नहीं हुए हैं। शोधपत्र में पाया गया कि मध्यान्ह भोजन व्यवस्था से बच्चों को पोषण तो प्राप्त हुआ है किन्तु उनके शैक्षिक स्तर पर अपेक्षित नतीजे प्राप्त नहीं हो रहे हैं।

मूलशब्द: बाल स्वास्थ्य, बाल शिक्षा, मध्यान्ह भोजन, नामांकन, शैक्षिक स्तर, अधिगम

1 प्रस्तावना
भारत में प्राइमरी शिक्षा की दुर्दशा और कुपोषित बच्चों की बढ़ती हुई संख्या को देखते हुये 15 अगस्त 1995 को मध्यान्ह भोजन व्यवस्था लागू की गयी थी, जिसके अन्तर्गत मध्यान्ह भोजन व्यवस्था योजना कक्षा 1 से 5 तक प्रदेश के सरकारी/परिषदीय/राज्य/ सरकार द्वारा सहायता प्रापत प्राथमिक ालियों में पढ़ने वाले सभी बच्चों को 80 प्रतिशत उपस्थिति पर प्रति माह 03 किलो ग्राम गेहूँ अथवा चावल दिए जाने की व्यवस्था की गयी थी, किन्तु योजना के अन्तर्गत छात्रों को दिए जाने वाले खाद्याान्न का पूर्ण लाभ छात्र को न प्राप्त होकर उसके परिवार के मध्य बट जाता था, इससे छात्र को वांछित पौष्टिक तत्व कम मात्रा में प्राप्त होते थे।
सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिनांक 28 नवम्बर, 2001 को दिए गए निर्देश के क्रम में प्रदेश में दिनांक 01 सितम्बर, 2004 को पका पकाया भोजन प्राथमिक विद्यालयें में उपलब्ध कराये जाने की योजना आरम्भ कर दी गयी है। शोधकर्ता इस योजना का अध्ययन प्राथमिक आँकड़ों के आधार पर किया है। शोधकर्ता का उद्देश्य मिड–डे–मील का बच्चों की पढ़ाई तथा सेहत पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन करना है किस प्रकार यह योजना बच्चों को स्कूल में रुकने के लिए प्रभावित कर रही बच्चों का क्या नजरिया है। इस योजना के प्रति इन योजना के प्रति इन सभी बातों का अध्ययन शोधकर्ता इस शोध में करना चाहता है।

2 उद्देश्य – प्रस्तुत शोधपत्र में निम्नलिखित उद्देश्य लिये गये हैं।
1. मध्यान्ह भोजन व्यवस्था के क्रियान्वयन का विश्लेषण।
2. नामांकन पर मध्यान्ह भोजन व्यवस्था के प्रभाव का अध्ययन करना।
3. मध्यान्ह भोजन व्यवस्था के प्रति छात्र/छात्राओं के दृष्टिकोण का अध्ययन करना।

3 साहित्य का पुनरावलोकन
भारत सरकार 2013 की रिपोर्ट के अनुसार 10 दिनों के सर्वे के दौरान यह पाया गया कि बच्चों का पौष्टिक स्तर गिरता हुआ है। बच्चों को भोजन प्रतिदिन नहीं मिलता है खाने के लिए बर्तन बच्चों के लिए घर से लाने पड़ते हैं। बच्चों को हैण्डपम्प का पानी मिल रहा है जो स्वच्छ नहीं है, बच्चों के लिए शौचालय उपलब्ध नहीं हैं अगर है तो पानी की व्यवस्था नहीं है और रिपोर्ट में पाया कि मध्याह्न भोजन योजना में प्रयोग होने वाली वस्तुओं की सुरक्षा नहीं है।
डमा के अनुसार 2003 मध्याह्न भोजन योजना के अर्न्गत बच्चों के विद्यालय आने की प्रवृति तो जाग्रत हुई है किन्तु भोजन व्यवस्था में सुधार नहीं हो पा रहा है। बच्चों का ध्यान खाने की ओर अधिक आकृषित है। बड़े केन्द्रीय वित्त पोषित योजना जो सरकारी प्राथमिक स्कूलों में छात्रों के लिए एक बार भोजन प्रदान करना है। 11 करोड़ बच्चों को हर रोज भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। बच्चों के पोषण व शिक्षा प्रदान करता है।

दत्ता के अनुसार 2015 स्कूलों में मध्याह्न भोजन योजना के राष्ट्रीय कार्यक्रम (मिड डे मील) प्राथमिक शिक्षा के सार्वभौमिकरण के उद्देश्य के साथ नवम्बर 1995 के बाद राज्य में लागू करने के तहत किया गया है। उपस्थित बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार तथा बच्चों के सीखने के स्तर में सुधार और बच्चों को पोषण प्राप्त होगा।

देवधर के अनुसार 2007 ने प्राथमिक और द्वितीयक आंकडों का इस्तेमाल किया है। इन्होने स्कूलों और रसोई में स्वच्छता और साफ–सफाई के मानकों पर शोध किया है। इन्होने निष्कर्ष निकाला मध्याह्न भोजन योजना के अन्तर्गत साफ सफाई का विशेष ध्यान नहीं रखा जा रहा है।

पाल के अनुसार 2012 इन्होंने प्राथमिक और द्वितीयक आंकड़ों का प्रयोग किया इनके उद्देश्य थे– मध्याह्न भोजन व्यवस्था तक पहुंचाना ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में मध्याह्न भोजन व्यवस्था का प्रभाव।

श्रीनिवासन 2010 ने प्राथमिक और द्वितीयक आंकड़ों का प्रयोग किया है। इनके शोध के अनुसार मध्याह्न भोजन व्यवस्था स्कूलों में भुखमरी तथा बच्चों में पोषण के स्तर को सुधारना, गरीब बच्चों के लिए विद्यालय जाने के लिए प्रेरित करना तथा उनकी उपस्थिति की दर को बढ़ाने में मदद करना रहा है तथा इन्होने यह निष्कर्ष निकाला कि मध्याह्न भोजन व्यवस्था स्कूलों में भुखमरी तथा बच्चों में पोषण के स्तर को सुधार नहीं हुआ है।

प्रदीप गिरी 2011 ने मध्याह्न भोजन योजना के प्रति अभिभावेकों तथा अध्यापकों के दृष्टिकोण का अध्ययन किया तथा मध्याह्न भोजन योजना के जरिए शैक्षिक स्तर का अध्ययन किया और इन्होनें एक सकारात्मक व सापेक्षिक मध्याह्न भोजन योजना को विकसित करने का सुझाव दिया।

4 विश्लेषण

4.1 मध्यान्ह भोजन व्यवस्था के अन्तर्गत साप्ताहिक मेन्यू

जनपद बरेली के विकासखण्ड बहेड़ी के चयनित गावं बहादुरपुर के पूर्व माध्यमिक विद्यालय में मध्याह्न भोजन योजना का न्यायदर्श विवरण निम्नलिखित तालिकाओं द्वारा दिखाया गया है।

तालिका 1: मध्यान्ह भोजन व्यवस्था के अन्तर्गत साप्ताहिक मेन्यू

दिन	मेन्यू
सेमवार	रोटी – सोयाबीन/दाल की बड़ी युक्त सब्जी
मंगलवार	चावल – दाल
बुधवार	तहरी एवं दूध (दूध प्रा0वि0 हेतु –150 मिली0 व उ0 प्रा0 वि0 हेतु 200मिली0)
बृहस्पतिवार	रोटी –दाल
शुक्रवार	तहरी
शनिवार	चावल सोयाबीन युक्त सब्जी।

स्त्रोत– गन्ना किसान इण्टर कालेज शैदपुर हरसुनगला बहेड़ी, बरेली

4.2 न्यादर्ष विवरण

निम्नलिखित तालिका संख्या 02 में बहादुरपुर गावं का न्यायदर्श विवरण दर्शाया गया है।

तालिका 2: न्यादर्ष विवरण

कक्षा	जाति		
	सामान्य	पिछड़ा वर्ग	अनुसूचित जाति
6– 8	2 प्रतिशत	78 प्रतिशत	20 प्रतिशत

स्त्रोत– सर्वेक्षण

4.3 भोजन संबंधी न्यादर्ष विवरण

निम्नलिखित तालिका संख्या 03 में बहादुरपुर गावं के पूर्व माध्यमिक विद्यालय में भोजन संबंधी न्यायदर्श विवरण दर्शाया गया है।

तालिका 3: भोजन संबंधी न्यादर्ष विवरण

क्र0सं0	प्रश्न	उत्तर
1.	आपको स्कूल में क्या खाना दिया जाता है?	हाँ– 100प्रतिशत नहीं– 0 प्रतिशत
2.	क्या खाना आपको खाने में अच्छा लगता है?	हाँ– 100प्रतिशत नहीं– 0 प्रतिशत
3.	खाना मिलने में कितना समय लगता है?	20 मिनट
4.	खाना खाने के लिए कितना समय दिया जाता है?	60 मिनट
5.	क्या स्कूल में आपको भरपेट खाना मिलता है?	हाँ– 100प्रतिशत नहीं– 0 प्रतिशत
6.	क्या खाना आप घर पर भी ले जाते हैं?	हाँ– 0 प्रतिशत नहीं– 100 प्रतिशत
7.	क्या आप स्कूल सिर्फ खाना बंटने के समय ही जाते हैं?	हाँ– 0 प्रतिशत नहीं– 100 प्रतिशत
8.	क्या आपके साथ ऐसे बच्चे भी खाना खाने जाते हैं। जिनका स्कूल में नाम नहीं लिखा है?	हाँ– 0 प्रतिशत नहीं– 100 प्रतिशत
9.	क्या स्कूल में खाना दिया जाना चाहिए?	हाँ– 100प्रतिशत नहीं– 0 प्रतिशत
10.	क्या खाना खाने से आपके स्कूल में कोई बीमार भी पड़ा है?	हाँ– 0 प्रतिशत नहीं– 100 प्रतिशत
11.	क्या खाना खाने के लिए आप बर्तन घर से ले जाते हैं?	हाँ– 0 प्रतिशत नहीं– 100 प्रतिशत

स्त्रोत– सर्वेक्षण

शोधकर्ता द्वारा शोध करने पर यह ज्ञात हुआ कि मध्यान्ह भोजन व्यवस्था के अन्तर्गत सभी उपस्थित बच्चों विद्यालय में भोजन दिया जाता है। सभी बच्चों को भोजन अच्छा लगता है। बच्चों को खाना मिलने में 20 मिनट लगते हैं। खाना खाने के लिए बच्चों को 1 घण्टा दिया जाता है। 100 प्रतिशत बच्चो नें कहा विद्यालय में मिलने वाले भोजन को खाने से कोई बीमार नहीं हुआ है। सभी बच्चों को विद्यालय में खाना भरपेट दिया जाता है। सभी बच्चों ने कहा कि वे खाना घर नहीं ले जाते हैं। विद्यालय में ही खाते हैं। 100 प्रतिशत बच्चों का कहना था कि वे विद्यालय खुलने के समय ही विद्यालय पहुंच जाते है। विद्यालय में कोई भी बच्चा ऐसा नहीं था। जिनका स्कूल में नाम नहीं लिखा है फिर भी खाना खाते हो।

78 प्रतिशत बच्चों का कहना था कि शिक्षक भी बच्चों के साथ खाना खाते हैं तथा 22 प्रतिशत बच्चों ने कहा शिक्षक खाना नहीं खाते हैं।

4.4 स्वच्छता का स्तर

निम्नलिखित तालिका संख्या 04 में बहादुरपुर गावं के पूर्व माध्यमिक विद्यालय में स्वच्छता संबंधी न्यायदर्श विवरण दर्शाया गया है।

तालिका 4: स्वच्छता का स्तर

क्र0सं0	प्रश्न	उत्तर
1.	क्या खाना बंटने से पहले हाथ धुलवाए जाते हैं?	हाँ– 84 प्रतिशत नहीं– 16 प्रतिशत
2.	पानी का साधन क्या है?	नल
3.	क्या आपको स्कूल में हमेशा साफ खाना मिलता है?	हाँ– 100 प्रतिशत नहीं– 0 प्रतिशत

स्त्रोत– सर्वेक्षण

84: बच्चों ने सर्वेक्षण के दौरान कहा शिक्षक बच्चों से खाना खाने से पहले हाथ धुलने को कहते हैं तथा 16: बच्चों ने कहा हाथ धुलने को नहीं कहते हैं।

विद्यालय में पानी का साधन नल है सभी बच्चों ने कहा विद्यालय में हमेशा साफ खाना मिलता है।

4.5 शैक्षिक स्तर

निम्नलिखित तालिका संख्या 05 में बहादुरपुर गावं के पूर्व माध्यमिक विद्यालय में शैक्षिक स्तर न्यायदर्श विवरण दर्शाया गया है।

तालिका 5: शैक्षिक स्तर

क्र0सं0	प्रश्न	उत्तर
1.	स्कूल में पढ़ाई के लिए कितने घंटे लगते हैं?	7 घण्टे
2.	एक घंटा कितने समय का होता है?	30 मिनट
3.	खाना मिलने से पहले कितने घंटे पढ़ाई होती है?	4 घण्टे
4.	खाना मिलने के बाद कितने घंटे पढ़ाई होती है?	3 घण्टे
5.	स्कूल में मध्यान्ह भोजन की व्यवस्था से क्या आपकी पढ़ाई पर विपरीत प्रभाव पड़ता है?	हाँ– 0 प्रतिशत नहीं– 100 प्रतिशत
6.	पढ़ाई के अलावा क्या काम करते हैं?	खेत का काम 28: घर का काम 66: कोई काम नहीं 06:
7.	क्या आपके शिक्षक कुछ बच्चों का ज्यादा ध्यान रखते हैं?	हाँ– 84 प्रतिशत नहीं– 16 प्रतिशत

स्त्रोत– सर्वेक्षण

विद्यालय में पढ़ाई के लिए 7 घण्टे लगते हैं खाना मिलने से पहले 4 घण्टे पढ़ाई होती है एक घण्टा 30 मिनट का होता है। खाना मिलने के बाद 3 घण्टे पढ़ाई होती है। 28 प्रतिशत बच्चे जीवकिा के लिए खेत पर काम करते हैं। 66 प्रतिशत बच्चे सिर्फ घर का काम करते हैं। जीविका के लिए नहीं तथा 6 प्रतिशत बच्चे कुछ काम नहीं करते हैं। शोध के दौरान शोधकर्ता को 84 प्रतिशत बच्चों ने कहा शिक्षक कुछ बच्चों पर अधिक ध्यान देते हैं तथा 16 प्रतिशत बच्चों ने इस बात से इनकार किया सभी बच्चों का कहना था कि सभी विद्यालय में भोजन दिया जाना चाहिए। सभी बच्चों का कहना था मध्यान्ह भोजन व्यवस्था से उनकी पढ़ाई पर कोई गलत प्रभाव नहीं पढ़ रहा है। किन्तु शोधकर्ता को सर्वे के दौरान यह महसूस हुआ मध्यान्ह भोजन व्यवस्था से बच्चों की पढ़ाई पर प्रभाव पढ़ रहा है शिक्षकों का कहना है कि वे बच्चों को अधिक समय नहीं दे पाते उनका अधिकतर समय भोजन व्यवस्था करवाने में व्यतीत हो जाता है। इसलिये हम कह सकते हैं कि बच्चों में स्कूल जाने की प्रवृत्ति तो जागृत हो रही है किन्तु शैक्षिक स्तर में अधिक सुधार नहीं हो पा रहा है।

4.6 पढ़ाई का स्तर

निम्नलिखित तालिका संख्या 06 में बहादुरपुर गावं के पूर्व माध्यमिक विद्यालय में पढ़ाई का स्तर के विवरण दर्शाया गया है।

तालिका संख्या 6: पढ़ाई का स्तर

विषय	विभिन्न ग्रेड प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या			योग
	I	ठ	ड	
गणित	13	18	19	50
हिन्दी	11	29	10	50
अंग्रेजी	2	4	44	50
योग	26	51	73	150
प्रतिशत	17ण्31 :	34:	48ण्67:	100

स्त्रोत– सर्वेक्षण

मध्यान्ह भोजन व्यवस्था से पढ़ाई पर बहुत अधिक प्रभाव पड़ रहा है 48.67 प्रतिशत बच्चे सी श्रेणी में यह बच्चे को अंग्रेजी हिन्दी गणित तीनों विषयों में कमजोर हैं। 34 प्रतिशत बच्चे बी श्रेणी में हैं। यह बच्चे अंग्रेजी हिन्दी गणित तीनों विषयों में थोड़े सही हैं तथा 17.31 प्रतिशत बच्चे अंग्रेजी, हिन्दी, गणित तीनों विषयों में सही हैं।

5 प्राप्तियाँ

माध्यमिक शिक्षा की दशा में सुधार हुआ है। 80 प्रतिशत बच्चों की उपस्थिति प्रतिदिन विद्यालय में रहती है। बच्चों को पूरी कैलोरी मिल जाती है बच्चों को कुपोषण से बचाया जा सकता है। विद्यवा महिलाओं को भोजन बनाने का कार्य दिया जाता है जिससे महिला शसक्तिकरण हो रहा है। सभी धर्म के बच्चे एक साथ बैठकर खाना खाते हैं जिससे एकता की भावना का विकास हो रहा है। मध्यान्ह भोजन व्यवस्था में बनने वाली खाद्य वस्तुओं की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाता है। बच्चों में अच्छी आदतों का विकास हो रहा है। गरीब बच्चों की भुखमरी दूर हो जाती है, बच्चों को पौष्टिकता वाला भोजन मिल जाता है।

6 कमियाँ

विद्यालय में भोजन व्यवस्था से बच्चों की पढाई पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। बाल स्वच्छता में अपेक्षित प्रगति देखने में नहीं आई। बच्चों की पढाई का स्तर निम्न हैं। सफाई के मानकों का विशेष ध्यान नहीं रखा जाता है। बच्चों को पीने के लिए स्वच्छ पानी उपलब्ध नहीं है। शौचालय में पानी का साधन नहीं है। वस्तुएं अधिक गुणवत्तापूण नहीं हैं। विद्यालय में मैन्यू के अनुसार खाना नहीं बनता है जो सब्जी सस्ती होती है वही सब्जी बनती है।

7 सुझाव

शिक्षकों ने कहा मध्यान्ह भोजन व्यवस्था करने में अधिक समय व्यतीत होने के कारण बच्चों को अधिक समय नहीं दे पाते हैं। मध्यान्ह भोजन व्यवस्था के क्रियान्वय के लिए शिक्षक को छोड़कर अलग से कर्मचारी लगाने चाहिए। बच्चों को मिलने वाले भोजन को पकाने से पहले अच्छे से साफ कर लेना चाहिए तथा सफाई के मानकों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। भोजन गुणवत्ता पूर्ण होना चाहिए।

References

1. Deodhar SY, Mahandiratta S, Ramani KV, Mavalankar D, Ghosh S, Braganza V. An Evaluation of Mid Day Meal Scheme. Journal of Indian School of Political Economy. 2010; 22(1-4):33-49.
2. Paul PK, Mondal NK. Impact of Mid-day-Meal Programme on Academic Performance of Students: Evidnece from Few Upper Primary Schools of Burdwan District in West Bengal, International Journal of Research in social Science. 2012, 391-406. http://www.ijmra.us
3. Uma. Mid-Day-Meal Scheme and Primary Education in India: Quality Issues Research Scholar Department of Public Administration Punjab University, Chandigarh, www.ijsrp.org. 2013, 1-3.
4. Pongerner JA, Dutta P. A Study on Performance of Mid-Day-Meal Scheme with Reference to Ungma Village and Mokokchge Town of Nagaland. *Journal of* International Academic Research for Multidisciplinary Impact Factor. 2005; 3(7):365-376. Www.Form.Com.Page.
5. Shri Nivasan R. Programme Evalution of I Cooked Mid Day Meal, Programme Evaluation Organization Planning Commision Govt. of India, New Delhi, 2010.

6. Pradip Giri. Effectiveness of Mid Day Meal as Persived by the Teachers and the Guariance, National Montly Refered Jounral of Research in Arts and Education. 2011. www.abhinavjounral.com. Email: Pradip.Giri2011@gmail.com
7. Government of India Ministry of Human Resources Development. School Education and Litracy. Report of 5th Review Mission on Mid Day Meal Scheme U.P. (8th July – 17th july, 2010). planningcommision.gov.in>peo-cmdm by (Middaymeal-2010). 2013.